# BUDHA DAL PUBLIC SCHOOL, SAMANA

## LESSON PLAN Term-I

## CLASS - VIII

## SUBJECT - Hindi

**Name of Teacher: Ms. Gitanjali**

| | |
|---|---|
| पुस्तक | महिका हिंदी पाठमाला–7 |
| उपविषय | व्यंग्य |
| प्रकरण | मामा जी की मेहमानी |
| शिक्षण उद्देश्य | 1. भारतीय संस्कृति में अतिथि के विषय में अवधारणा से परिचित कराना।<br>2. कल्पनाशीलता का विकास करना।<br>3. मेहमान तथा मेहमानवाजी की वास्तविक स्थिति से परिचित कराना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएँगे।<br>1. अच्छा अतिथि कौन होता है?<br>2. मेहमान कैसा होना चाहिए?<br>3. आप कैसे मेहमाननवाज है? |
| वर्तनी | कठिन शब्द और उनके अर्थ–बरी (रिहा)<br>झंझट (परेशानी), आवभगत (सेवा) सत्कार) |
| संसाधन | पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर इत्यादि। |
| कार्यप्रणाली | शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जायेगा। उसमें आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जाएगी। |
| सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ | छात्रों से इस पाठ का नाट्य मंचन करवाया जाएगा। इससे छात्र संवाद शैली सीखगे, अभिनय क्षमता का विकास होगा तथा आत्मविश्वास का संचार होगा। |
| ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण | पाठ के माध्यम से छात्रों को कला के साथ इतिहास के क्षेत्र से भी जोडा जाएगा। |
| सहभागिताः– | पठन शैली के माध्यम से छात्र पाठ के विषय को समझेगे। |

| | |
|---|---|
| | उसमें निहित भावों को हदय में उतारेंगे और अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे। |
| पुनरावृत्ति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएगे।<br>1. मामा जी वास्तव में क्या चाहते थै?<br>2. भानजे के आने पर मामा जी ने क्या किया? |
| सीखने के प्रतिफल | छात्र पाठ में निहित भावों और उसके उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। हास्य व्यंग्य का जीवन में कया महत्व है समझेंगे। उनमे कल्पनाशीलता का विकास होगा। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| | |
| प्रकरण | उपसर्ग |
| शिक्षण उद्देश्य | 1. उपसर्ग और उनसे बनने वाले शब्दों से परिचित कराना।<br>2. शब्द ज्ञान मे वृद्धि करना।<br>3. कल्पना शकित का विकास करना। |
| पूर्व परीक्षण | निम्नलिखित प्रश्न पूछ कर छात्रों का ज्ञान परीक्षण किया जाएगा–<br>1. उपसर्ग किसे कहते है?<br>2.उपसर्ग के कितने भेद है?<br>3. उपसर्ग और प्रत्यय में क्या अंतर है? |
| संसाधन | व्याकरण पुस्तका, श्यामपटट, चॉक, डस्टर इत्यादि। |
| कार्य प्रणाली | उपसर्ग और उसके भेदों की चर्चा की जाएगी बीच–बीच में उदाहरण देते हुए विषय की व्याख्या की जायेगी। |
| सह– शैक्षणिक गतिविधियाँ | छात्रों को अंग्रजी के साथ कला के क्षेत्र से भी जोडा जाएगा। |
| छात्र सहभागिता | अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे। अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए उनमे सोचने और विचार  करने की शक्ति पैदा होगी। |
| पुनरावृति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे। |

| | |
|---|---|
| | 1. शब्द के आगे लगने वाले शब्दांश को क्या कहते है?<br>2. उपसर्ग किसे कहते है?<br>3. उपसर्ग के कितने प्रकार है? |
| सीखने का प्रतिफल | छात्र उपसर्ग और उसके भेदों को समझेगे और नए नए शब्दों का निर्माण करने मे सक्षम होंगे। |
| मूल्याकंन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | भोलराम का जीव |
| शिक्षण उददेश्य | 1. स्वाभिमान की भावना उत्पन्न करना।<br>2. क्षम और संघर्ष की भावना का विकास करना।<br>3. भ्रष्टाचार के प्रति सजग करना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निम्पलिखित प्रश्न पूछे जायेगे।<br>1. क्या आप एक ईमानदार व्यक्ति बनना चाहते है?<br>2. क्या आप में स्वाभिमान व्यक्ति बनना चाहते है?<br>3. साहस और हिम्मत का हमारे जीवन में क्या महत्व है? |
| वर्तनी | कठिन शब्द और उनके अर्थ–जीव (प्राणी) रहसय ( गुप्त बात), दंड ( सजा) |
| सहायक सामग्री | श्यामपट्ट, पुस्तिका, चॉक, डस्टर, चार्ट, स्मार्ट–बोर्ड, वीडीयो–लिंक इत्यादि। |
| कार्य प्रणाली | शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जाएगा। छात्र पाठ को ध्यान पूर्वक समझेगे। पाठ में आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जाएगी। |
| सह शैक्षणिक गतिविधियाँ | भ्रष्टाचार विष्य पर चर्चा करवाई जायेगी। इससे छात्र समाज में फैली समस्ययाओ के प्रति जागरूक होंगे और उनमें सवभिमान और साहस पैदा होगा। |
| छात्र सहभागिता | कक्षा में छात्र शिक्षक द्वारा समझाए कार्य को ध्यानपूर्वक सुनकर पूछे गए अभ्यास–कार्य को कार्य–पुस्तिका में लिखेगा तथा उसका मौखिक एवं लिखित अभ्यास करेगा। |
| सीखने के प्रतिफल | छात्र पाठ में निहित भावों और उसके उद्देश्य को आम्तसात |

| | |
|---|---|
| | करेंगे। इससे छात्रों में सच्चाई तथा ईमानदारी की भावना का विकास होगा। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | विलोम, पर्याय |
| शिक्षण उददेश्य | 1. शब्द भेदों से परिचित कराना।<br>2. छात्रों की व्याकरण के प्रति रूचि पैदा करना।<br>3. भाषा में पकड मजबूत करना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएगे।<br>1. वर्ण किसे कहते है?<br>2. वर्णो के सार्थक मेल से क्या बनते हैं?<br>3. शब्द क्या है? |
| संसाधन | पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक |
| कार्य प्रणाली | शब्द और उसके भेदों की चर्चा की जाएगी। बीच–बीच में उदाहरण देते हुए विषय की व्याख्या की जायेगी। |
| सह–शैक्षाणिक गतिविधियाँ | शब्द के विभिन्न भेदों को छात्रों में बॉट दिया जाएगा और अपने–अपने भेदों को समझाने के लिए कहा जाएगा। इससे वे विषय को अच्छे से समझेंगे। |
| ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण | छात्रों को अंग्रेजी के साथ कला के क्षेत्र से भी जोडा जाएगा। |
| सहभगिता | अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनो रचनात्मकता का विकास करेंगे। अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए उनमें सोचने और विचार करने को शक्ति पैदा होगी। |
| पुनरावृति | इसके लिए कुछ प्रयन पूछे जायंगे।<br>1. शब्द किसे कहते है?<br>2. शब्द के कितने भेद है?<br>3. पर्यायवाची शब्द किसे कहते है?<br>4. विलोम शब्द किसे कहते है? |
| सीखने का | छात्र शब्द और उसके भेदों को समझेंगे वे जानेगे कि |

| | |
|---|---|
| प्रतिफल | विलोम, पर्यायवाची शब्द किसे कहते है। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | संधि |
| शिक्षण उददेश्य | 1. छात्रों में रचनात्मकता जागत करना।<br>2. पाठ में दिए विशेष बिन्दुओं पर विशेष रूप से बल देना।<br>3. संधि और उसके भेदो से परिचित कराना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निमनलिखित प्रश्न पूछकर उनका ज्ञान परीक्षण किया जाएगा–<br>1. वर्ण किसे कहते है?<br>2. दो वर्णो के पारसपरिक मेल से उनमें जो विकार होता है उसे क्या कहते है?<br>3. संधि के कितने भेद है? |
| संसाधन | पाठ्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर इत्यादि। |
| कार्य प्रणाली | संधि की परिभाषा बताते हुए उसके भेदों की चर्चा की जाएगी। बीच–बीच में उदाहरण देते हुए विषय की व्याख्या की जाएगी। |
| सह–शैक्षाणिक गतिविधियाँ | संघि के भेदो को अलग–अलग छात्रों के समूह में विभाजित करके अपने–अपने विषय को समझने के लिए कहा जाएगा। इससे उनकी दोहराई हो जाएगी और वे विषय को अच्छे से समझ सकेंगे। |
| ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण | अंग्रजी के साथ कला के क्षेत्र से भी जोडा जाएगा। |
| सहभगिता | छात्र स्वर संधि के भेदों के नाम उदाहरण सहित चार्ट पर लिखकर कक्षा में लगाएगें। वर्ग–पहेली मे स्वर संधि के उदाहरणों को पहचान कर संधि विच्छेद करेंगे तथा उसका भेद लिखेगे। |
| पुनरावृति | 1. वर्णो के परस्पर मेल से जो परिवर्तन होता है उसे क्या कहते है। |

| | |
|---|---|
| | 2. दो स्वरों के मेल को क्या कहते है? |
| सीखने का प्रतिफल | छात्र संधि और उसके भेदों को अच्छी तरह समझेंगे तथा संधिच्छेद करने में सक्षम होगें। |
| मूल्यांकन | मौखिक तथा लिखित रू‍‍‍ से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | पूस की रात |
| शिक्षण उददेश्य | 1. कृषक तथा कृषि के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना।<br>2. श्रम की भावना का विकास करना।<br>3. भारतीय किसान की आर्थिक स्थिति से परिचित कराना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निमनलिखित प्रश्न पूछकर उनका ज्ञान परीक्षण किया जाएगा–<br>1. हम कौन से देश में रहते है?<br>2. हमारे देश के ज्यादातार लोग क्या करते थे?<br>3. हमे अनाज कौन देता है? |
| वर्तनी | कठिन शब्द, शब्दार्थः– मजूरी (मजदूरी) खैरात (भीख), ताते (गरम) |
| संसाधन | पाठ्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर इत्यादि। |
| कार्य प्रणाली | शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जायेगा छात्र ध्यानपूर्वक सृनते हुए पाठ को समझेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ तथा पाठ की व्याख्या की जाएगी। |
| सह–शैक्षाणिक गतिविधियाँ | छात्रों को दो वर्गो में बाटकर भारतीय किसान विषय पर चर्चा की जाएगी। इससे छात्रो में उनके प्रति सम्मान की भावना पैदा होगी और वे श्रम के महत्व को समझेंगे। |
| ज्ञान के क्षेत्रों के साथ एकीकरण | छात्रों को कला के साथ इतिहास और सामाजिक क्षेत्र से जोडा जायेगा। |
| सहभगिता | छात्र पठन शैला के माध्यम से पाठ को ध्यानपूर्वक समझेंगे। विषय में निहित भावों को हदय में उतारेगें और अपनी |

| | |
|---|---|
| | जिज्ञासाओं का निवारण करेंगे। |
| पुनरावृति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायेगे।<br>1. हलकू कौन था?<br>2. जबरा को बाग में क्या मिला?<br>3. हल्कू खेत में क्यों गया? |
| सीखने के प्रतिफल | छात्र पाठ में निहित भावों और उसके उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। इससे उनमे कर्तव्य और श्रम की भावना उत्पन्न होगी। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | पंथ की पहचान |
| शिक्षण उद्देश्य | 1. परोपकार करने के लिए प्रेरित कतना।<br>2. ईमानदारी की भावना उत्पन्न करना।<br>3. श्रम और संघष की भावना उत्पन्न करना। |
| पूर्व परीक्षन | छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएगे।<br>1. आपको कौन कौन सी कविताएँ आती है?<br>2. धैर्य कयों जरूरी है?<br>3. क्या जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है? |
| वर्तनी | कठिन शब्द, शब्दार्थः– बटोही (राहगीर) हाल (स्थिति), मूक (चुप) |
| संसाधन | पाठ्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर इत्यादि। |
| कार्य प्रणाली | शिक्षक द्वारा कविता का सस्वर गायन किया जाएगा छात्र उसका अनुगमन करेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ तथा कविता **की व्याख्या की जाएगी।** |
| **सह शैक्षाणिक गतिविधियाँ** | छात्रों को समूहो में विभाजित करके प्रत्येक समूह से अपनी विधि द्वारा कविता प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा। इसमे आत्मबल बढेगा तथा कविता के भावों को आत्मसात |

| | |
|---|---|
| | करेंगें। |
| ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण | कविता को गाकर प्रस्तुत करके संगीत कला के साथ जोडा जाएगा। इससे अतिरिक्त कला, समाजिक क्षेत्र से भी जोडा जाएगा। |
| छात्र सहभागिता | छात्र कविता के उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यानपूर्वक सुनेगे। कविता को भावों को हृदय में उतारोगे और अपनी जिज्ञासाओ का निराकरण करेंगे। |
| पुनरावृत्ति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाऍगे।<br>1. क्या अनिश्चित है?<br>2. पुस्तकों में क्या नहीं छपा है?<br>3. सफल पंथी क्या विश्वास लिए खडा है? |
| सीखने के प्रतिफल | छात्र कविता के भावों तथा उसमें निहित उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। वे परोपकारी साहसी बनने के लिए प्रेरित होगें। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | प्रत्यय |
| शिक्षण उददेश्य | 1. प्रत्यय और उससे बनने वाले शब्दों से परिचित कराना।<br>2. शब्द ज्ञान में वृद्धि करना।<br>3. कल्पना शक्ति का विकास करना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेगे।<br>1. वर्ण किसे कहते है?<br>2. शब्द क्या है?<br>3. उपसर्ग किसे कहते है? |
| संसाधन | व्याकरण पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर इत्यादि। |
| कार्य प्रणाली | प्रत्यय और उसके भेदों की चर्चा की जाएगी।<br>बीच–बीच में उदाहरण देते हुए विषय की व्याख्या की जाएगी। |
| सह शैक्षिण | चार्ट के माध्यम से बच्चों को प्रत्यय के भेदों से परिचित |

| | |
|---|---|
| गतिविधियाँ | करवाया जाएगा। छात्रों को नए–नए शब्द बनाने के लिए दिए जाएगे। इससे वे विषय को अच्छे से समझेंगे। |
| ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण | छात्रों को अंग्रेजी के साथ कला के क्षेत्र से भी जोडा जायेगा। |
| छात्र सहभागिता | अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे। अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए उनमें सोचने और विचार करने की शक्ति पैदा होगी |
| पुनरावृत्ति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायेंगे।<br>1. शब्द के पीछे लगने वाले शब्दांश को क्या कहते है?<br>2. प्रत्यय किसे कहते है?<br>3. प्रत्यय के कितने भेद है? |
| सीखने का प्रतिफल | छात्र प्रत्यय और उसके भेदों को समझेंगे और नए शब्दों का निर्माण करने में सक्षम होंगे। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | हृदय परिवर्तन |
| शिक्षण उद्देश्य | 1. बडों का सम्मान करने के लिए प्रेरित करना।<br>2. सच बोलने के लिए प्रेरित करना।<br>3. ईमानदारी की भावना विकसित करना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों को निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे।<br>1. आपके घर में कौन–कौन है?<br>2. क्या आप अपने माता–पिता की आज्ञा का पालन करते है<br>3. हमें झूठ क्यों नहीं बोलना चाहिए? |
| कार्य प्रणाली | शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जाएगा। छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हुए पाठ को समझेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जाएगी। |
| वर्तनी | कठिन शब्द और उसके अर्थ– खुदा (ईश्वर), गुरू (शिक्षक) झूठ (असत्य) |
| संसाधन | कार्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर , चित्र वर्णन इत्यादि। |

| | |
|---|---|
| सह शैक्षणिक गतिविधियाँ | छात्रों से इस पाठ का नाट्य मंचन करवाये जाएगे। इससे छात्र संवाद शैली सीखेगे, अभिनय क्षमता का विकास होगा तथा आत्मविश्वास का संचार होगा। |
| ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण | पाठ के माध्यम से छात्रों को कला के इतिहास के क्षेत्र से भी जोडा जाएगा। |
| छात्र सहभागीता | पठन शैली के माध्यम से छात्र पाठ को ध्यानपूर्वक सुनेगे। उसमें निहित भावों को हृदय में उतारगें और अपनी जिज्ञासाओ का निराकरण करेंगे। |
| पुनरावृति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायेगे।<br>1. अब्दुल कादिर कौन था?<br>2. अब्दुल की माँ ने उसे क्या समझाया?<br>3. जंगल के रास्ते से जाना क्यों खतरनाक था? |
| सीखने के प्रतिफल | छात्र पाठ में निहित भावों और उसके उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। इससे उनमें सच्चाई तथा ईमानदारी की भावना का विकास होगा। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | वाक्य विचार |
| शिक्षण उद्देश्य | 1. पाठ में दिए गए विशेष बिंदुओ पर विशेष रूप से बल देना।<br>2. वाक्य के अंग उद्देश्य तथा विधेय ये परिचित करवाना।<br>3. रचनात्मकता जाग्रत करना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएगे।<br>1. वाक्य किसे कहते है?<br>2. शब्दों के मेल से क्या बनता है?<br>3. क्या वक्यों में पद क्रम का होना जरूरी है? |
| पद्धति | वाचन कथा श्रवण पद्धति |
| संसाधन | कार्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर , चित्र वर्णन इत्यादि। |
| कार्य प्रणाली | वाक्य की परिभाषा बताते हुए उसके भेदो की चर्चा की |

| | |
|---|---|
| | जाएगी। बीच–बीच में उदाहरण देते हुए विषय की व्याख्या की जाएगी। |
| सहशैक्षणिक गतिविधियाँ | वाक्य–विचार के भेदों को छात्रों में बॉट दिया जाएगा। उनहे अपने विषय को समझाने के लिए कहा जायेगा। इससे उनकी दोहराई भी हो जाएगी और वे विषय को अच्छे से समझ सकेगे। |
| ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण | के बारे में बताते हुए विषय को अंग्रजी विषय के साथ जोडा जायेगा। वातावरण तथा विज्ञान से जुडे हुए वाक्यों दारा छात्रों को वातावरण और विज्ञान से जोडा जायेगा। |
| छात्र सहभागीता | अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे। अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए अपनी सोचपने और विचार करने की शक्ति को दर्शाएंगे और अपनी जिज्ञासाओ का निवारण करेंगे। |
| पुनरावृति | इसके कुछ प्रश्न पूछे जाएगे।<br>1. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद है?<br>2. अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदो के नाम बताओ। |
| सीखने के प्रतिफल | छात्र वाक्य और उसके भेदो को अच्छी तरह से समझेगे। छात्र सार्थक वाक्स रचना करने में निपुण हो जाएगे। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | अनुच्छेद |
| शिक्षण उददेश्य | 1. छात्रों की रचनात्मक शक्ति का विकास करना।<br>2. शब्द ज्ञान में वृद्धि करना।<br>3. कल्पना शक्ति का विकास करना।<br>4. भाषाई कौशल का विकास करना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे।<br>1. अनुच्छेद शब्द का अर्थ क्या है?<br>2. अनुच्छेद और निबंध में क्या अंतर है? |
| पद्वति | करो और सीखों पद्वति द्वारा छात्रों को अलग–अलग विषयों |

| | |
|---|---|
| | पर अनुच्छेद लिखने को कहा जाएगा। |
| संसाधन | कार्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर , चित्र वर्णन इत्यादि। |
| कार्य प्रणाली | छात्रों को समझाया जाएगा कि अनुच्छेद निबन्ध से भिन्न होता है। इसे लिखते समय भूमिका बांधने और निष्कर्ष देने की आवश्यकता नही है। अतः यह ध्यान रखना चाहिए कि अनुच्छेद में अनावश्यक प्रसंग न हो |
| सह शैक्षणीक गतिविधियाँ | कुछ विषयों को लेकर कक्षा में चर्चा की जाएगी। उसके बाद छात्र उसी चर्चा को एक अनुच्छेद का रूप देंगे। जैसे त्योहारों का जीवन में महत्तव। |
| अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण | विज्ञान से जुडे हुए अनुच्छेद लेखन से छात्र विज्ञान के साथ जुडेंगे। राष्टीय एकता रक्तदान का महत्तव आदि जैसे विषयों पर अनुच्छेद लिखकर वे नागरिक शास्त्र से जुडेगे। |
| सहभागिता | छात्र कुछ अध्यापक द्वारा दिए गए और कुछ अपनी मनपसंद विषयों पर पहले मौखिक रूप में अपने विचार प्रक्ट करेंगे। उसके बाद किसी एक को अनुच्छेद के रूप में लिखने का प्रयास करेंगे। |
| सीखने के प्रतिफल | छात्र अनुच्छेद लिखना सीख जाएंगे। |
| पुनरावृत्ति | अनुच्छेद की भाषा कैसी होनी चाहिए?<br>क्या अनुच्छेद लेखन करी कोई शब्द सीमा होती है? |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | पत्र |
| शिक्षण उददेश्य | 1. छात्रो मे शब्द–भण्डार वृद्धि करना<br>2. मातृ भाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना<br>3. पत्र में अपनी बात को विषयानुसार प्रयोग के साथ संक्षेप में लिखने की योग्यता का विकास करना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे।<br>1. क्या आप जानते है पुराने जमाने में संदेश भेजने की |

| | |
|---|---|
| | कौन–कौन सी विधियाँ थी?<br>2. आप किसी को संदेश किस प्रकार भेजते है?<br>3. आपने किसी को पत्र लिखा है? |
| कार्य प्रणाली | छात्रो को पत्र लेखन का महत्तव समझाया जाएगा कि चाहे इंटरनेट के युग में एक सीमा तक पत्रों का चलन कम हुआ किन्तु आज भी समाज के सभी वर्गो के लिए लोग पत्र व्यवहार करते है। पत्र लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, उनकी जानकारी छात्रों को प्रदान की जाएगी। |
| सह शैक्षणीक गतिविधियाँ | छात्रो को डाकघर की विभिन्न प्रकियाओं को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जिसके लिए वे उसकी वेबसाईट से या दफतर में जाकर अनुभव प्राप्त कर सके। |
| अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण | भाषा विस्तार के साथ–साथ सामाजिक शास्त्र, भूगोलख इतिहास मनोविज्ञान आदि कई विषयों के साथ तारत्तप स्थापित किया जाएगा। |
| सहभागिता | छात्र औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप के बारे में जानते तथा लिखित अभ्यास द्वारा अपनी का निराकरण करेंगे। |
| पुनरावृत्ति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे<br>1. पत्र के कितने प्रकार है?<br>2. औपचारिक पत्र कौन से होते है? |
| सीखने के प्रत्फिल | छात्र पत्र लेखक के द्वारा भाषा के विभिन्न पहुलओं के बारे में सीखगे जैसे सरलता, स्पष्टता, संक्षिप्तता, मौलिकता एवं उद्देश्यपूर्णता आदि। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | मुहावरे |
| शिक्षण उददेश्य | 1. मुहावरों से परिचित कराना।<br>2. मुहावरों के अर्थ से परिचित कराना। |

| | |
|---|---|
| | 3. उनके अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग को समझाना। |
| पूर्व परीक्षण | इसके लिए कुछ प्रश्व पूछे जाएगे<br>1. क्या आप जानते हो मुहावरा क्या होता है?<br>2. क्या आपने कभी मुहावरा सुना है?<br>3. भाषा में मुहावरों का क्या महत्तव होता है? |
| संसाधन | व्याकरण, पुस्तक, श्यामपट्ट |
| कार्य प्रणाली | छात्रो को समझाया जाएगा कि मुहावरा अरभी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है अभ्यास। मुहावरा एक वाक्यांश होता है तथा इसमें काल, वचन तथा पुरूष के अनुरूप परिवर्तन होता है। |
| सहशैक्षणीक गतिविधियाँ | छात्रों को विभिन्न मुहावरे देकर उनसे वाक्य बनाने के लिए दिए जाएगें। इसके माध्यम से उन्हे मुहावरे तथा उसका अर्थ ग्रहण करने में सहायता मिलेगी। |
| अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण | छात्र सामाजिक शिक्षा के साथ कला के क्षेत्र से भी जुडेगे। |
| सहभागिता | छात्र मुहावरे का अर्थ समझाते हुए इसके भाषायी महत्तव को जानेगे। अपनी पाठस पुस्तक के पाठों में से मुहावरो को उनके अर्थ ढूँढने का प्रयास करेंगे। |
| पुनरावृत्ति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे–<br>1. मुहावरे का शाबिदक अर्थ क्या है?<br>2. क्या मुहावरे से वाक्य बनाया जा सकता है ?<br>3. अंग–अंग ढीला होना मुहावरे का क्या अर्थ है? |
| सीखने के प्रत्फिल | छात्र व्यवहारिक जीवन में मुहावरों के महत्तव को जानेंगे। भाष को मुहावरों के प्रयोग द्वारा आर्कषित बनाना सीखेगे। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |
| प्रकरण | विज्ञापन |
| शिक्षण उददेश्य | 1. छात्रों को विज्ञापन का अर्थ समझाना।<br>2. उन्हे विज्ञापन का महत्व बताना। |

| | |
|---|---|
| | 3. विज्ञापन बनाने के लिए जरूरी तत्वों की जानकारी देना। |
| पूर्व परीक्षण | छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेगे।<br>1. कया आपने कभी टी.वी पर कोई विज्ञापन देखा है?<br>2. अखबारों में भी क्या विज्ञापन आते है?<br>3. हमारे जीवन में विज्ञापन का क्या महत्व है? |
| संसाधन | श्यामपट्ट, चॉक, कुछ अखबार |
| कार्य प्रणाली | छात्रों को आम व्यक्ति के जीवन में विज्ञापन के महत्व को बताते हुए उन्हे एक सुंदर और रंगीन विज्ञापन बनाना सिखाया जायेगा। उन्हे विज्ञापन के विभिन्न तत्वों के बारे में भी बताया जाएगा। |
| सहशैक्षणीक गतिविधियाँ | 1. छात्रों को चित्र सहित विज्ञापन बनाने के लिए कहा जायेगा।<br>2. अभियास करना |
| अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण | 1. विज्ञान से संबंधित उत्पादों के विज्ञापन बनवा कर छात्रो को विज्ञान से जोडा जायेगा।<br>2. चित्र बनाकर और रंगो आदि का प्रयोग करके छात्र चित्रकला से भी जुडेगे। |
| सहभागिता | 1. छात्र अपनी पसंद के कुछ विषयों पर विज्ञापन तैयार करेंगे।<br>2. किसी पदार्थ तथा अन्य विज्ञापन को नाटक के रू॰ में भी प्रस्तुत करेंगे। |
| पुनरावृत्ति | इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायगे।<br>1. आप क्या एक अच्छा विज्ञापन बना सकते है?<br>2. विज्ञापन कितने प्रकार के होते है? |
| सीखने के प्रत्फिल | छात्र आज के युग में विज्ञापन के महत्व को समझेगे और एक अच्छा विज्ञापन बनाना सीख जायेगे। |
| मूल्यांकन | मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। |